



Devanshu



Payal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120873401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120873401

Date: 08/01/2026

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
08/01/1996 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 05/12/1996  
सोमवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : गुरुवार  
घंटे 07:40:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 23:14:00 घंटे  
घटी 01:01:37 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 40:35:28 घटी  
India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
Delhi : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Delhi  
28:39:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 28:39:00 उत्तर  
77:13:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 77:13:00 पूर्व  
82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
घंटे -00:21:08 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:21:08 घंटे  
घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
07:15:21 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:59:48  
17:39:55 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 17:23:54  
23:48:13 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:48:51  
धनु : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : सिंह  
गुरु : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : सूर्य  
कर्क : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : कन्या  
चन्द्र : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : बुध  
आश्लेषा : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : हस्त  
बुध : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : चन्द्र  
1 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 3  
विष्कुम्भ : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : आयुष्मान  
वणिज : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : विष्टि  
डी-डीगेश्वर : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : ण--  
मकर : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : धनु  
विप्र : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : वैश्य  
जलचर : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : मानव  
मार्जार : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : महिष  
राक्षस : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : देव  
अन्त्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : आद्य  
श्वान : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : श्वान

**Meenna Salaria Astro & Numerio**

Delhi

9667113751

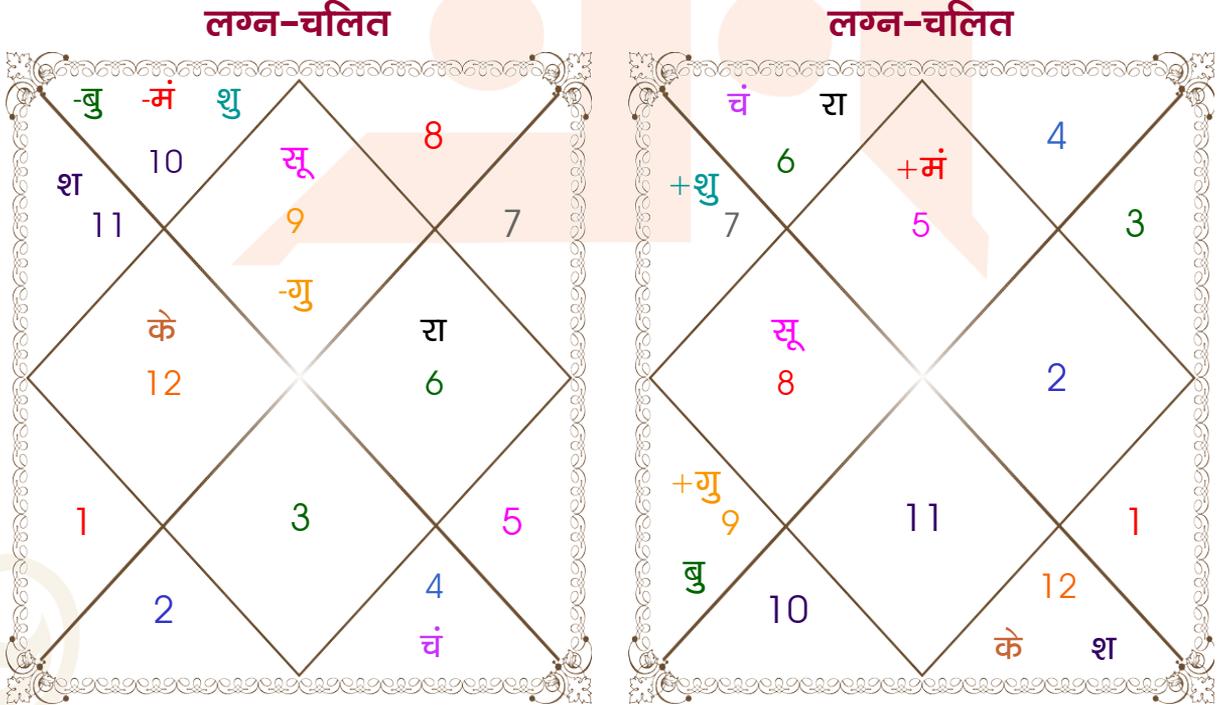
salaria.meena@gmail.com

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 15वर्ष 11मा 19दि	28:34:16	धनु	लग्न	सिंह	08:10:13	चन्द्र 3वर्ष 10मा 11दि
शुक्र	23:15:42	धनु	सूर्य	वृश्चि	20:03:52	गुरु
28/12/2018	17:28:28	कर्क	चंद्र	कन्या	18:10:46	18/10/2025
28/12/2038	05:54:27	मक	मंगल	सिंह	24:51:48	18/10/2041
शुक्र 28/04/2022	11:03:39	मक	बुध	धनु	07:51:06	गुरु 06/12/2027
सूर्य 28/04/2023	07:16:23	धनु	गुरु	धनु	25:30:31	शनि 18/06/2030
चन्द्र 27/12/2024	27:31:21	मक	शुक्र	तुला	21:52:39	बुध 23/09/2032
मंगल 26/02/2026	26:06:19	कुंभ	शनि	मीन	06:47:57	केतु 30/08/2033
राहु 26/02/2029	28:18:20	कन्या व	राहु व	कन्या	11:45:26	शुक्र 30/04/2036
गुरु 28/10/2031	28:18:20	मीन व	केतु व	मीन	11:45:26	सूर्य 16/02/2037
शनि 28/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष	मक	08:08:22	चन्द्र 18/06/2038
बुध 27/10/2037	01:08:23	मक	नेप	मक	02:07:31	मंगल 25/05/2039
केतु 28/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:36:15	राहु 18/10/2041

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

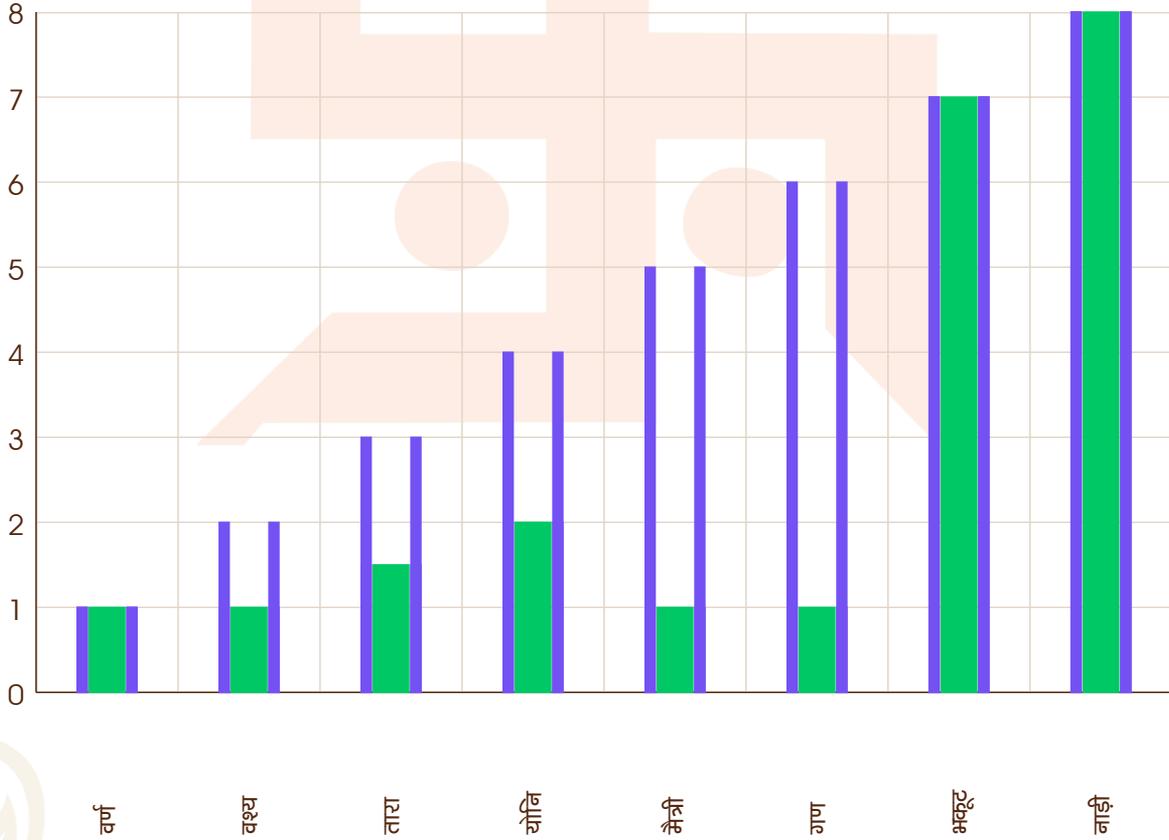
23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:51



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>22.50</b>		

कुल : 22.5 / 36



## अष्टकूट मिलान

कमअंदीन का वर्ग श्वान है तथा Payal का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कमअंदीन और Payal का मिलान शुभ है।

### मंगलीक दोष मिलान

कमअंदीन मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Payal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि कमअंदीन की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

कमअंदीन तथा Payal में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

कमअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Payal का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Payal सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेगी। Payal मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेगी।

### वश्य

कमअंदीन का वश्य जलचर है एवं Payal का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Payal अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि कमअंदीन उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

### तारा

कमअंदीन की तारा साधक तथा Payal की तारा प्रत्यरि है। Payal की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह कमअंदीन एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Payal का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Payal के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। कमअंदीन अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

### योनि

कमअंदीन की योनि मार्जार है तथा Payal की योनि महिष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में कमअंदीन से Payal का राशि स्वामी मित्र है। परन्तु Payal से कमअंदीन का राशि स्वामी शत्रु है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में कमअंदीन का राशि स्वामी Payal के राशि स्वामी को मित्र समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में कमअंदीन तो Payal को खूब प्यार करने वाले तथा ख्याल रखने वाले होंगे किंतु दूसरी ओर Payal उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकती है जिसके कारण वह अपने पति से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगी तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

### गण

कमअंदीन का गण राक्षस तथा Payal का गण देव है। अर्थात् Payal का गण कमअंदीन के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण कमअंदीन निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही कमअंदीन का Payal के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Payal हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

### भकूट

कमअंदीन से Payal की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Payal से कमअंदीन की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण कमअंदीन अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Payal सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत

होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

### नाड़ी

कमअंदीन की नाड़ी अन्त्य है तथा Payal की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। कमअंदीन की अन्त्य नाड़ी तथा Payal की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



# मेलापक फलित

## स्वभाव

कमअंदीन की जन्म राशि कर्क तथा Payal की जन्मराशि भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं भूमि तत्व के मध्य समता तथा मित्रता का भाव रहता है। अतः कमअंदीन और Payal के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे जीवन में मधुरता बनी रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

कमअंदीन की जन्म राशि का स्वामी चन्द्र तथा Payal की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं शत्रु राशि में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर मतभेद उत्पन्न होंगे तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे आपस में विवाद एवं वैमनस्य होगा जिसका प्रभाव सुखी दाम्पत्य जीवन पर होगा। अतः यदि कमअंदीन और Payal परस्पर सामंजस्य एवं शांति पूर्वक समस्याओं का समाधान करें तो उपरोक्त प्रभावों में कमी हो सकती है।

कमअंदीन की जन्म राशि तथा Payal की जन्म राशि एक दूसरे की राशि से तृतीय एकादश में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग, आकर्षण एवं सहानुभूति का भाव रहेगा जिससे अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक अपने कार्य कलापों को पूर्ण करने में समर्थ होंगे।

कमअंदीन का वश्य जलचर तथा Payal का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर की स्वाभाविक विषमता के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता दृष्टि गोचर होगी। साथ ही एक दूसरे को काम भावनाओं में प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे मानसिक परेशानी रहेगी।

कमअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Payal का वर्ण वैश्य है। अतः कमअंदीन की रुचि शैक्षणिक धार्मिक तथा ज्योतिष संबंधी विषयों पर रहेगी लेकिन Payal की प्रवृत्ति धनार्जन में अधिक होगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी।

## धन

कमअंदीन और Payal की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। कमअंदीन और Payal की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Payal एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक

सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

### स्वास्थ्य

कमअंदीन का जन्म अन्य तथा Payal का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव कमअंदीन को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से कमअंदीन हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित्त संबंधी रोगों से भी परकष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए कमअंदीन को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से कमअंदीन और Payal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त कमअंदीन और Payal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Payal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Payal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Payal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से कमअंदीन और Payal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार कमअंदीन और Payal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

Payal के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Payal भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Payal

भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Payal को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

### **ससुराल-श्री**

कमअंदीन के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को कमअंदीन अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी कमअंदीन के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण कमअंदीन के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।